

UNIVERSITY OF CHICAGO
ORIENTAL INSTITUTE

2671

I

Handwritten text in Devanagari script, likely a title or description of the manuscript's contents. The text is faint and partially obscured by wear and tear on the aged, brown leather cover.

23

विममयकपाठकंदरुटस्यहा ॥ विदिगमावकयरा ॥
उकवश्यचछाचंदरुटस्यहा ॥ उकवश्यचछाचंदरुट
स्यहा ॥ उवश्यश्यलाममिचंदरुटस्यहा ॥
उगागराश्यचंदरुटस्यहा ॥ उकावश्यचंदरुटस्यहा ॥
उकावश्यचंदरुटस्यहा ॥

उदवश्यचंदरुटस्यहा ॥ उदश्यचंदरुटस्यहा ॥
उदश्यचंदरुटस्यहा ॥ उदश्यचंदरुटस्यहा ॥
उदश्यचंदरुटस्यहा ॥ उदश्यचंदरुटस्यहा ॥
उदश्यचंदरुटस्यहा ॥ उदश्यचंदरुटस्यहा ॥
उदश्यचंदरुटस्यहा ॥ उदश्यचंदरुटस्यहा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
यस्य नाममात्रं श्रद्धां कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रद्धां कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
श्रद्धां कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
किं विद्मः श्रद्धां कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
ववाशे कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
कृत्वा ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

॥ ॐ का का सा हं हं ट सा दा ॥ ॐ लू का सा यं हं हं
ट सा दा ॥ ॐ ५५ ना सा शं हं हं ट सा दा ॥ ॐ सू क वा सा
शं हं हं ट सा दा ॥ ॐ य म दा दी शं हं हं ट सा दा ॥ ॐ य म
द रू नी शं हं हं ट सा दा ॥ ॐ य म म थ नी शं हं हं ट सा दा ॥
ॐ व ॥ ॐ न ग क रं रं व ॥ दा वा वूं वूं क रं क री ष धी

मू हं ट दा म ॥ लू मी व धु ॥ या वा धे का व ॥ कि वि की वा व
व शं हं हं ट सा दा ॥ ॥ ॐ न मः स व ग थ ग ग मू व ल
वी ग वि ला मू न मि शः ॥ ॥ शी व क सं म व र हं हं व का
य ॥ ॐः हं हं हं हं य मी ॥ हं हं हं मा ॐ वि ना य हा ॥ ॥
सं शी य हा व यू जा वा सा मु नि ॥ ॥ धन ॥ शी द य द

[illegible]

ॐ श्रीं ॥ उं व जा ली के की ॥ उं व ज ग व मू ॥ उं व जा ड
ल स्य की ॥ उं व जा व व सृ नां ॥ उं व जा व व स्य की ॥ उं व
ज व म्म मू ॥ उं नमः ॥ श्रीं न मा मि ॥ न भान म ॥ उं
म्या हा ॥ व ज ॥ हा म्या हा ॥ घ ० ॥ उं ठ कि ज र द
॥ ॥ उं वू वू य द ल नी ल ॥ डि मू न मा याम्ब लं था

म तिलं म हा वा च ॥ सुं गिं डं वा वं नी ॥ वै ज्ञ न ला ॥
ह म हा म दि नि ॥ म धु वा ध रू द मा व ला ॥ हा य
वि स्त्री ग ॥ य द्वा स ना सि नं ॥ मा का न्क ॥ स धा नि मा
नी ॥ स मा वू टा ॥ गो वी र्ण ॥ इ द मा न्दा वि ना पि न्द
स यो व न्दा दि द वा र्क ॥ व सि नं ॥ ग सि ना ॥ नै क दे

या क वं ॥ ला क वं द्रा क वं ॥ सर्व स का रं व ॥ वा य व मो
म वं ॥ इ ल्क वं ॥ इ ल्क वं ॥ श्री व ग म्नी व ॥ इ का व ॥ इ ट का
हा हा का व ॥ वा य म् ॥ स वा म् ॥ वि श्व व जा न्द
य न्दा क ज स व वं ॥ म हा थ का व ॥ स ना वं ॥ म हा
सं का हा वं ॥ द्रा वि न म् ॥ म हा स ना ॥ थ वं ॥ स व द् ॥ सु

ॐ वं वज्र वा वा ॐ हं हं ॥ ॐ हं था या मि नो हं हं ॥ ॐ की
मा हं ती यं हं हं ॥ ॐ हं आं मं वा मि नो हं हं ॥ ॐ हं हं
मं गं मं मि थं हं हं ॥ ॐ हं हं २ वं धु का थं हं हं हं
हं ॥ ॥ सं ॥ मि थं व वं धा ॥ ॥ य व क व कि ल न ॥ ॥ य स
हं सा नि का नि ॥ ॥ क मि स थो मि हं मि ॥ ॥ स्तु व न न न न थं

धा ॥ ॥ वि न नी स वं धा धा ॥ ॥ वि रा ना वा म धा धा ॥ ॥ क म ल म मि
नि गं ॥ ॥ व क य ॥ ॥ धु धु जा ना ॥ ॥ क ल द धा लि का ला ॥ ॥ य
वि ग मि मि व सा ॥ ॥ म क म धा क हं का ॥ ॥ म धु वी म धि गं ॥
जी ॥ ॥ म र व ग ल द म गं ॥ ॥ सा द य म क न न ॥ ॥ म य थो व
कि ला सा ॥ ॥ व ल ग हं ग म नी ॥ ॥ यो व म व न न न ना ॥

मान न्यामान न्यामा ॥ विविध संयुता ॥ मध्य पश्य कन
या ॥ मृदा समुद्रिणा गी ॥ यव गन व वना ॥ सात जादा
व वागी ॥ मिथु वावृ ध द रु वृ ग रु प्र हा ॥ पृठ वी व धी
नाय की ॥ पिरा म्या न ग रु ॥ न के व म ॥ नानो विधा
नी च ना ॥ धी सं म्या धि ॥ विधा विधान के व म वा वा हि

कावं डि वि ॥ सर्व सिद्धि द वा ॥ य का ॥ य व म वि द वी न
म स वृ दा ॥ याम नि र व म रु नी ॥ रु न स वा वि जी त व
सं नी नी ॥ ग थ म वि म क या ॥ ग य मी व धी का ॥ च ल
प्रा रु ऊ य क म न रु म रु नी ल सि व म वि धी ॥ य म
वृ म वृ म स न न व रु ग दा ना रु व ॥ स न्य मां क रु धा मा

ने श्री धातु व सा राव वं ॥ दूरी न के ल्या मि फि ॥ नमन
दंड या गी निग ८६ ॥ ॥ कृता का विना मनु मा दिग म
य म रि व ल नि दिन दा यानां आ व क यु मि दे ज रा मि
यु न म यु न के वं सं म्भ ल वि द ८४ ॥ आ व क र व गी डि
नी क म कि न डि न मे ह वा नि ॥ दूरी वा नि ॥ शुभ मा दि

[illegible]

दा वरु ॥ वे ॥ अरु क न म रु ने ॥ द दा मि स र्वे वू द्वा नां ॥
मि गु आ ल व स र व ॥ ॐ दे न स र्वे वू द्वा नां ॥ यू आ ये यू
क ना य व ॥ म वू ट यं यू द्वा र व ॥ ॐ स र्वे वू द्वा म द्वा क
ट यू नी च्छा दा दं ॥ ॥ म वू ट ॥ ॐ वरु ॥ अ नं ॥ अ वी ॥ अ
रि वि वि रु मां ॥ ॐ स र्व व डि ॥ ॐ व र्व व डि ॥ ॐ व मी व

डि ॥ ॐ क र्व व डि ॥ अ रि वि वि रु मा ॥ ॐ दे गुं डी र्व ॥
ॐ व र्व व रु व दा ॥ अ या रि वि क र्व म सि वू द्वा व डा
रि वि क र्व ॥ ॐ दे न स र्वे वू द्वा र व ॥ गृ द्वा व ड, स रि द र्व ॥
द वरु ॥ ॐ व र्व वि वि नि र्व म रि विं ता मि ॥ ॐ व र्व व
रु स र्व र्व स र्व दा ॥ अ ॥ ॐ वरु ॥ ना मा रि वि क र्व :

धीरुत्तमकनामन अ गणेश्वरनाम ॥ ॐ अ हि जा न
वस्तुपि ना ॥ ॐ दे दि य धा वा वि ना न अ दे स्ता प रि ष्ठा
मि ॥ ॐ आः प्र रि ष्ठा क स म व ॥ ॐ ॥ ॐ आ के व न ॥
ॐ आ ये वे प्रा व ना य स्था दा ॥ ॐ प्र का था य स्था दा ॥ ॐ व न
सं र वा य स्था दा ॥ ॐ सु मि ता रा य स्था दा ॥ ॐ प्र द मि दि
मा

य स्था दा ॥ ॐ प्रा व ना य स्था दा ॥ ॐ मा म कि य स्था दा ॥
ॐ या नु वा य स्था दा ॥ ॐ वा वा दे वी य स्था दा ॥ ॐ वा
प दा व यू जा ॥ ॐ न मः स्तु ते क व द्वा ना ॥ ॐ प्र का था
दि दू ल ष्ठे व ॥ न मः स्तु ते वा व न ना र्थ ॥ ॐ क व द्वा न म
स्तु ते ॥ ॐ न मः स्तु ते ग व द्वा न वी व वी व ष्ठे वा य द्वा

ॐ ॥ महाकल्याणि सन्नि शायं हृद ॥ ॐ उ हाम व
म क नारायं हृद ॥ ॐ उ हाम कला प्रो वने हि सु हाम स्वाय
हृद ॥ ॐ उ म ह म ह उ श म व रि सु नाय हृद ॥ ॐ
य व सु वा ॥ ॐ उ व ॥ वि भू व स्व हां ग श्री श्री यं हृद ॥
ॐ उ या य व मं जि ना म वा यं हृद ॥ ॐ म हा वृ मां व का व

वयु म्मा यं हृद ॥ ॐ न मा र म व न ॥ व उ य वा दी ॥ वं म्मा
य व मा जि न ॥ नं वा य म्मा ॥ म ह वि व म्मा ॥ म ह ह र्ग
॥ ॐ उ ॥ सु व र व य व ह म हा व डी ॥ व डी ह ॥ ॐ
जि म्मा य वा जि न ॥ व स क वि नी य वा म्मा ॥ वि व म्मा
य नि ॥ श्री व नि ॥ ॐ उ म जि ॥ क म वी नी ॥ मं म्मा ह नि

॥ गङ्गा श्रेष्ठि ॥ ता वरुण ॥ यत्रै स्मर्य धीः ॥ हंस
त्रक्षः ॥ कनक वदनः ॥ अक्षय सुख क्षत्री ॥ उ
क्त लमा ह ॥ यत्रै वा ह नी ॥ चन्द्र वर
त्रो सुनः ॥ विजय वरुणा ॥ हंस सुख सुख ॥
॥ धीः ॥ निला वधु स हीना ॥ सुख हल वरुण नपति

सहिना ॥ सुख सिद्धि सुन सुलभा दायनी ॥ सुख
त्रक्षि पाय विना स का शक्ति म ॥ न्दाय निः ह सि
वा ह ना ॥ वृक्ष सुख वदनः ॥ वरुण वरुणा शक्ति न वा
ला हि द्यन धाल वरुणा ॥ अक्षय वरुणा ॥ सहि पाय धीः
॥ ॥ गङ्गा ॥ चन्द्र देवी वरुण वदन ॥ सहि वरुण

श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥
श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥ श्री गुरु सा १५५ ॥

श्री गुरु सा १५५ ॥

SHRI GURU SA 155

2671

I

भयंकरं कलनं यत्पुष्पं जालं ॥ न नाया लमिना
 सद्यस्वरं कल्याणीमं कल ॥ एवमुक्तं कवयः
 सुवचो लमिमं क ॥ स यमनं विमिश्रं चन्द्रवदिकि
 कोनि ॥ यनकनकं समृद्धिजारा नृपाज वल ॥ भूगनव
 वचो हर्मिं कारकं नाधकृत्वा ॥ इति ॥ इति सप्तमः

[illegible]

वज्रसत्त्वश्चिरं कर्मसुखं ॥ शुक्रवर्धकं च ॥ १ ॥
 वं ॥ विविगाएव धरुषि मं ॥ नीलसिद्धिं च ॥ २ ॥
 न्यनीलवर्धकं ॥ शुक्रवर्धकं ॥ नीलसिद्धिं ॥ शुक्रवर्धकं
 कं ॥ ॥ ॥ शुक्रवर्धकं ॥ शुक्रवर्धकं ॥ ॥ ॥
 ॐ शुक्रवर्धकं ॥ शुक्रवर्धकं ॥ शुक्रवर्धकं ॥ शुक्रवर्धकं

व कायया याचमनार्थी य नीच्छ साहा ॥ ॥ धन ॥ स्था
दाय ॥ ० ॥ उं ह म श्र म्य वृ य न म ॥ उं हा पू ष म्य व र
म ॥ उं ह् उ ड्ड म्य व र न म ॥ उं रां यू र्व वि द दा य न म ॥ उं
सू द्वि पा य न म ॥ उं ल षू र ल ष म दा द वि स र न म ॥ उं त्रं
क व वृ वृ व न म ॥ उं रा उ र द्वा र्पा न म ॥ उं रा उ र द्वा र

ॐ लाङ्का दीपारण्य नमः ॥ ॐ वाङ्मय दीपारण्य नमः ॥ ॐ सुभा
जवत्तारण्य नमः ॥ ॐ जयवत्तारण्य नमः ॥ ॐ लक्ष्मणवत्तारण्य नमः
॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ यावत्तारण्य नमः
॥ ॐ यावत्तारण्य नमः ॥ ॐ मद्यित्तारण्य नमः ॥
ॐ वाङ्मयवत्तारण्य नमः ॥ ॐ सुभाजवत्तारण्य नमः ॥ ॐ सुभा

सूर्यारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ यावत्तारण्य नमः ॥
युजा ॥ ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥
ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥
ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥
ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥
ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥ ॐ वत्तारण्य नमः ॥

उ प्रमे कावन ॥ वरु कर्म क वाह ॥ उं वरु ग स्य दं वरु
माय गां ॥ वरु गी य की ॥ उं वरु नृ य म ॥ वरु नृ य म ॥
उं वरु यू य दं ॥ वरु यू य गां ॥ वरु या य की ॥ वरु य य
म ॥ नम स्ते न मा मि न मा नम ॥ दं स्या हा ॥ वरु ॥
हा स्या हा ॥ घ ष ॥ ग कि उ १ दं ॥ ॐ ॥ उं न मा व चा य ॥

शु व्र य न मा प्र मार ॥ गाल द्ये न मा सं घाय म रु ग म
उं म्मा ॥ दं म न वरु स न शु व्र य ल ध क म वा य ॥ न न
म्य क रु ना व रा म न क वा य नम ॥ दं ॥ नम स्ते न
भानम ॥ रु क्ता रु दानम म्या मि ॥ न न य य ॥ व द्य य ॥
र स्य य सा द कि व ॥ द ॥ स ॥ ग ल म ॥ न न य रु ॥ द ॥ न

कवयकुणावकावाः यस्यान विदुः इहाः सवितासमूहः
नमो नमस्तु मित्रियः युवराष्ट्रवारः ॥ नमो वल्लुवा
मिहापिसगनं नमः सर्ववृद्ध नमस्त्यामिः प्रमोददिनं तामि
नंः संघेष्टुगी लसत्यनप्रसन्ननरनमोष्टुगः प्रसन्नं सम्य
नमस्तुः सर्वप्रणिदिनं मयाद्यमनूमात्रः अगस्त्यः सर्व

प्राप्तेदधमनः आवाः सवन्नं यामि वृद्ध प्रमोदगच्छ
क्रमः प्राप्तेयिकं कवाम्यः सवन्नं यामि वृद्ध प्रमोदगच्छ
दयामि वृद्ध यामि वृद्ध प्रमोदगच्छ सर्वसत्ता
ॐ शान्तविद्यत्रययामि वृद्ध प्रमोदगच्छ सर्वसत्ता
नमोदिनानः यामि वृद्ध प्रमोदगच्छ सर्वसत्ता

द्विविधः शुद्धकदाष्टदशैतन्ननायापायननायका ॥ य
ल्लुमेन्द्रावृष्टीपापं ॥ न स्य त्रेकनायाम्यहं ॥ मया दत्तं नम
इन ॥ यत्किं किं पापमागमपक श्याय त्रसाय ह्य ॥ य ह्य
पासदम्यवय ॥ नाथानायूनः ययययूनयूनः श्रुत्य
मदय ॥ यन ॥ श्रुदकं मिदं नार्थं ॥ नकक यय

नमया ॥ ॐ ॥ थान ॥ वजीविरय ॥ ॐ ॥ उं शुकाया
मूरयं सवेधं मोना ॥ मायनूत्यनला ॥ लालमिनावमि
मृकं वावि ॥ ममनमृययमिच्छ स्वाहा ॥ आकषनया
यादि ॥ थन ॥ नानवाय ॥ ० ॥ उं ॐ दायस्वाहा ॥ उं य
माय स्वाहा ॥ उं वृक्षाय स्वाहा ॥ उं वृक्षाय स्वाहा ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय

सुमि ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वत्र निवासी
नमो भगवते वासुदेवाय ॥ सर्वत्र निवासी ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय
शामलाबाजा ॥ लोकपालमहद्विजा ॥ दक्षप्रसन्नसिन्हा
यीश ॥ लोकपालमहद्विजा ॥ ॥ धनं विजय ॥ ॥
ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ नमो भगवते वासुदेवाय

इह मारुतः ॥ गङ्गा मारुतः ॥ सुगन्ध मारुतः ॥ अमृतं ध
न्य रवः ॥ सर्वे सिद्धि माय च्छुः ॥ सर्वे कर्मसूत सिद्धि क
धी रं वृत्तः ॥ इहः इहः इहः गवतन सर्वे गथ ग म ॥ वरु मा
सि सूत्रे ॥ वरु रव मरुत स मय स ल आ ॥ ॥ इह माय
सर्वे स लानां ॥ सिद्धि द व्या क धा नू मा ॥ गच्छ र्धं वृद्धे वि

षयः ॥ यून वार ग म नारय व ॥ उं आः इ गच्छ १ वडा
हृ ल वि सज न ॥ ॥ वृद्धे सिद्धि स ॥ वरु रव नहि
गच्छ र्धं ॥ सर्वे धा य क व वृ ॥ गच्छ रव वरु व रव द ॥ य
सं लान रव ॥ गे ला का यानु द रं ॥ इ मि क स म नि य
रं ॥ दे व द र मि द र व र व र व र व र व र व र व र व र

ब्रह्मकांडं ॥ श्रुत्वा विष्णुं ॥ यथाम ॥ वेङ्गमंगम ॥
त ॥ नाडाउवेखन ॥ सुत्रोपविष्टमूककगी ॥ द
दिहमहिमूखायागी ॥ यश्चममवहि कामूययदि
फ ॥ श्रीरुद्रक ॥ यत्रमामूरययनं ॥ श्रीकावमदय
रानं ॥ ०० मिह ०० मिश्रन्य ॥ ०० मिश्रय ॥ नवदे

क ०० मिनक्रविस्मिन् श्रुत्वा विष्णुं ॥ ॥ गग ०० ॥
स ॥ धे ०० कालमूखादय ॥ यत्रम ॥ धे ०० यत्रन ॥ य
दनाम ॥ धे ०० यत्रम ॥ स ॥ धे ०० यत्रन ॥ यत्र
ल ॥ स ॥ धे ०० यत्रम ॥ यत्रन ॥ यत्र
उसल ॥ स ॥ धे ०० यत्रम ॥ यत्रन ॥ यत्र

षामाहवत् ॥ अथानयादिवत् ॥ द्याहश ० ॥ आहवत् ॥
वक्तवागवत् ॥ सयं स्यमां सूर्यवत् ॥ सद्योयन ॥ द्याह
वत् ॥ सूर्यवत् ॥ द्याहवत् ॥ अथानयादिवत् ॥ आहवत् ॥
मत्तामहवत् ॥ वायुमहवत् ॥ अथानयादिवत् ॥ आहवत् ॥
मत्तामहवत् ॥ वायुमहवत् ॥ अथानयादिवत् ॥ आहवत् ॥

सूदंनगाविशूद्धि ॥ ॐ ॥ हृदिस्वरं कालेन ॥ विष्णुद
लपत् ॥ यमकलि कायत्री ॥ उद्धसूर्यमहत् ॥ गद्ययत्री
हृत्कावत् ॥ गद्यविष्णुमहत् ॥ हृत्कावत् ॥ गद्यविष्णुमहत् ॥
हृत्कावत् ॥ गद्यविष्णुमहत् ॥ हृत्कावत् ॥ गद्यविष्णुमहत् ॥
हृत्कावत् ॥ गद्यविष्णुमहत् ॥ हृत्कावत् ॥ गद्यविष्णुमहत् ॥

६
वर, द्रव्यादि का विगीर्णं ॥ रज, द्वयन वज्र वज्र घट्ट
धर्म ॥ उदात्त वृत्तं ॥ कयावना लावट्टं ॥ नव
मूर्धन्य न्य विधी ॥ ॥ विषय कजा नाना मो विन ॥ वृ
क गाननं ॥ उद्योत्कृत क हियनं ॥ श्री गी वादि वसा वि
नं ॥ शोधन म नि य स नं ॥ सादन व जिल मा वा ॥ शीता

द्विषा वीर्णं ॥ वृट् मूदायुत कष्टि का वृचक वृद्ध वम
स्य वा ॥ निनाम वि रू पि नं ॥ य ह्यप वी नं ॥ र सी नि स
मूदायु कादि मा ॥ वृट् पाल मि ना वि श्व धि ॥ वृष्टि म
का ॥ र मूदि ॥ ग मा ॥ र म व नी ॥ व का व धू म्य क
मूखा ॥ दि रू जा य न ना ॥ मू क के जा गु ना य धु मं छि

